Indian Association of Pediatric Surgeons

Patient Information Sheet

VASCULAR ACCESS IN PEDIATRIC ONCOLOGY

ऑन्कोलॉजी में संवहनी एक्सेस

Concept, Text & Photograph Courtesy :

Dr. Monica Bhagat,

Asst. Consultant, Pediatric Oncosurgery, NH-SRCC Children's Hospital, Mumbai.

Hindi Translation by:

Dr. Shilpa Sharma,

Additional Professor, Pediatric Surgery, AIIMS, New Delhi

Designed and formatted by :

Dr. Veereshwar Bhatnagar,

Former Professor & Head, Pediatric Surgery, AIIMS, New Delhi,

Currently Professor of Pediatric Surgery & Dean Research, School of Medical Sciences & Research, Sharda University, Greater Noida, UP.

Published by :

Dr. Amar Shah, Consultant Pediatric Surgeon, Amardeep Multispeciality Children Hospital, Ahmedabad &

Professor Ravi Kanojia , PGIMER, Chandigarh

for & on behalf of the Indian Association of Pediatric Surgeons

बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी में संवहनी पहुंच क्या है?

बचपन के कैंसर वाले बच्चों के प्रबंधन में केंद्रीय शिरापरक पहुंच की महत्वपूर्ण भूमिका है।

घातक कैंसर और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए उपचार लंबे समय तक जारी रहता है। इन बच्चों को कीमोथेरेपी, सहायक दवाएं, रक्त उत्पाद, लगातार नमूने और संज्ञाहरण देने के लिए नस तक लगातार पहुंच की आवश्यकता होती है।

किस प्रकार के उपकरण उपलब्ध हैं?

1. केमो पोर्ट: यह पूरी तरह से प्रत्यारोपित कैथेटर है और एक्सेस करने के लिए चैंबर को कॉलर बोन के नीचे रखा गया है।

2. ट्यूनल्ड हिकमैन कैथेटर: कैथेटर को पूर्वकाल ऊपरी छाती की दीवार के नरम ऊतक के माध्यम से ट्यून किया जाता है और कैथेटर को रखने के लिए गर्दन की नस को छिद्रित किया जाता है।

3. केंद्रीय रूप से डाला जाने वाला केंद्रीय कैथेटर (PICC): यहाँ कैथेटर को हाथ में नसों के माध्यम से डाला जाता है और हृदय में गर्दन में बड़ी नस के माध्यम से निर्देशित किया जाता है।

अपने चिकित्सक को कब देखना है?

अगर आपको इन कैथेटर्स के प्लेसमेंट के बाद अपने डॉक्टर को देखने की आवश्यकता होगी:

i) बुखार के एपिसोड

ii) सम्मिलन स्थल पर कोई लालिमा या

iii) स्वास्थ्य देखभाल दाता बहने या इसके माध्यम से दवा देने में सक्षम नहीं है।

आपके पास एक कार्ड होगा जिसमें रखा गया उपकरण का विवरण होगा।

क्या डिवाइस लगाने का कोई विकल्प है?

हाथ या पैर में परिधीय शिरा का उपयोग किया जा सकता है, लेकिन लंबे समय तक उपचार के साथ परिधीय नसों का उपयोग विशेष रूप से छोटे बच्चों में किया जाता है।

उपचार की अवधि बढ़ने पर उन्हें बार-बार रद्द करना तकनीकी रूप से कठिन हो जाता है। दोहराया गया

बार-बार होने वाली तकलीफ के कारण कैनुलेशन बच्चे के मानस को भी प्रभावित करता है।

ऑपरेशन में क्या शामिल है?

ऑपरेशन डिवाइस के प्रकार पर निर्भर करता है, जिसका उद्देश्य हृदय के करीब बड़े व्यर्थ में कैथेटर टिप को रखना है।

केमो पोर्ट और हिकमैन कैथेटर की आवश्यकता है

सामान्य संज्ञाहरण, जबकि PICC को बिना एनेस्थीसिया के रखा जा सकता है।

ऑपरेशन थियेटर में किए गए एक्स-रे के साथ कैथेटर की नियुक्ति और स्थिति की जांच की जाती है।

ऑपरेशन के बाद संभावित जटिलताओं / क्या होता है?

इंट्रा-ऑपरेटिव:

i) खून बह रहा है

ii) वातिलवक्ष

पोस्ट-ऑपरेटिव:

सेप्टिसीमिया के कारण रक्त प्रवाह संक्रमण रोड़ा

ii) घनास्त्रता

iii) अपनी जगह से हटना (dislodgement)

iv) रिसाव / ब्रेक

v) सम्मिलन स्थल पर संक्रमण

इन बच्चों का दृष्टिकोण या भविष्य क्या है?

इस प्रकार बार-बार होने वाली बीमारियों का मानसिक आघात कम हो जाता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है, इसलिए छोटे बच्चे और लंबे समय तक इलाज के लिए जगह-जगह शिरापरक उपकरण रखना बेहतर होता है।

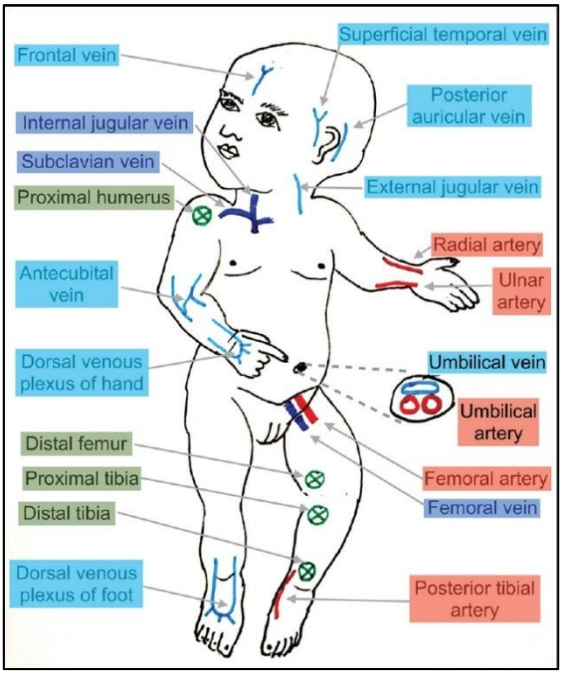

जिन साइटों पर संवहनी पहुंच प्राप्त की जा सकती है।

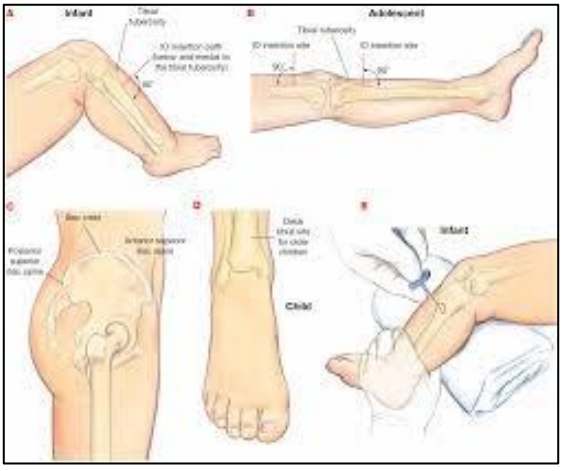

संवहनी पहुंच के लिए आयु वार पसंदीदा साइटें